

The 28th September, 1984

No. 28-GA-87-D/1780.—Whereas the Government of Haryana is satisfied that land specified below is needed by Government at public expenses, for a public purpose, namely, constructing a road from Rewari-Pataudi Road to village Khetia was in Gurgaon District, it is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom it may concern and under the provision of section 7 of the said Act, the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/ Village	Area in Acres	Hadbast No.	Khasra Nos.
Gurgaon	Pataudi	Khetia was	2.98	263	Khasra No. 44 and 45
Total			2.98		

No. 28-GA-87D/1781.—Whereas the Governor of Haryana, is satisfied that land specified below is needed by Government, at public expense, for a public purpose, namely, constructing a road from Ram Nagar Dhani to Dhani Ashram in Gurgaon District, it is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provision of section 7 of the said Act, the District Revenue Officer-Cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon, is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon and the Executive Engineer, Provincial Division, P.W.D., B. & R. Branch, Gurgaon.

SPECIFICATIONS

District	Tehsil	Locality/ Village	Hadbast No.	Area in acres	Khasra Nos.
Gurgaon	Pataudi	Nurgarh	12	1.30	31
					2, 3, 4, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 15/1, 15/2, 17, 79/1, 79, 125
Total				1.30	

No. 28-GA-87-D/1782.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below is needed by Government, at public expenses, for a public purpose, namely, constructing a road from Rewari-Pataudi Road to village Gadaipur in Gurgaon District, it is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern, and under the provision of Section 7 of the said Act, the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Gurgaon and the Executive Engineer, Provincial Division, PWD, B&R Branch, Gurgaon.

SPECIFICATION

District	Tahsil	Locality/ Village	Hasbust No.	Area in acres	Khasra Nos.
Gurgaon	Pataudi	Gadaipur	30	0.54	59, 54, 52, 51, • 14 8/1, 2, 19
Total				0.54	

(Sd.) . . .

Superintending Engineer,
Gurgaon Circle, PWD., B&R Branch,
Gurgaon.

श्रम विभाग

दिनांक 3 सितम्बर, 1984

सं. आ.वि./प्रव.वि./330-84/33501—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि में (1) गरिबहन ब्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़; (2) जेनरल मनेजर, हरियाणा रोडवेज, कैथल, के श्रमिक श्री राम कला तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, भम्बाला, को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है—

क्या श्री याम कला की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

दिनांक 10 सितम्बर 1984

सं. आ.वि./प्रव.वि./59-84/31554—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि में बी सिरसा कोपरेटिव मार्केटिंग-समाज लिमिटेड (सीएसडी) लिमिटेड सिरसा, के श्रमिक श्री राजवीर सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 9641-1-श्रम/70/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के द्वारा पंजीकृत सरकारी अधिसूचना सं. 38864-ए.एस. नो. (ई)-70/1348, दिनांक 8 मई, 1970, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री राजवीर सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?